जब से बिहारी जी से नज़र | By Krishna Piya Ji Maharaj

जबसे बिहारी जी से नज़र लड़ी है
ऐसा नशा छा गया है, छा गया है
जीने का मज़ा आ गया है
आ गया है .....
जीने का मज़ा आ गया है

बन गई तेरे नाम की जोगन
छोड़ दिया जग सारा
अब तो चैन मिले मोहे तब ही
मिले जो प्रियतम प्यारा
तुझ बिन अब तो लगता नहीं दिल
दिल को तू ही भा गया है
भा गया है .....
जीने का मज़ा आ गया है
आ गया है .....
जीने का मज़ा आ गया है

यहाँ अग्नि तुम्हारी लगाईं हुई
बिना आप के और बुझायेगा कौन
परिवार कुटुंब से नाता तजा
उनमे हमको अपनाएगा कौन
श्री कृष्ण दया निधि को तज के
दुखियों पे दया बरसायेगा कौन
अब प्रियतम प्यारे तुम्हारे बिना
इस दास को गले लगाएगा कौन

साहिब से जो इश्क़ हुआ तो
दुनिया से क्या लेना
जो दौलत हमने पा ली है
दौलत और कहीं ना
अब तो किसी से लगता नहीं दिल
दिल को वही भा गया है
भा गया है .....
जीने का मज़ा आ गया है
आ गया है .....
जीने का मज़ा आ गया है

मालिक के अनदेखे घर का
कौन पता बतलाये
पंडित पूरब बोले वो
मुल्ला पक्षिम ले जाए
छोड़ दिया दर दर का भटकना
खुद में उसे पा लिया है
पा लिया है .....
जीने का मज़ा आ गया है
आ गया है .....
जीने का मज़ा आ गया है

https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%9c%e0%a4%ac-%e0%a4%b8%e0%a5%87-%e0%a4%ac%e0%a4%bf%e0%a4%b9%e0%a4%be%e0%a4%b0%e0%a5%80-%e0%a4%9c%e0%a5%80-%e0%a4%b8%e0%a5%87-%e0%a4%a8%e0%a4%9c%e0%a4%bc%e0%a4%b0-by-krishna-piya-ji-maharaj/